नव वर्ष में नई पहल हो,
कठिन जिंदगी और सरल हो।
अलसुलझी जो रही पहेली,
अब शायद उसका भी हल हो।
जो चलता है वक्त देखकर,
आगे जाकर वही सफल हो।
नव वर्ष का उगता सूरज,
सबके लिए सुनहरा पल हो।
नव वर्ष की शुभकामनाएँ...

साप्ताहिक
# बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 । अंक : 21 | गोंदिया : गुरुवार, 31 दिसम्बर 2020 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

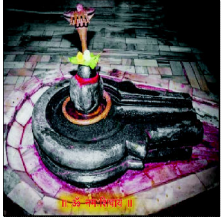

### ग्राम पंचायत चुनाव परिणामों के बाद

# जिप-पंस चुनावों की रणनीति होंगी उजागर

### मिनी मंत्रालय पर कब्जे के लिए सभी दलों का प्रयास

**नवीन अग्रवाल**– गोंदिया जिले की १८८ ग्राम पंचायतों का चुनाव १५ जनवरी को होंगा। जिनके परिणाम आने के बाद सभी राजनैतिक दल जिला परिषद व पंचायत समिति चुनावों की रणनीति उजागर करेंगे। विशेष यह है कि मिनी मंत्रालय की सत्ता पर कब्जा जमाने के लिए सभी दलों का प्रयास होंगा।

गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण के चलते गोंदिया-भंडारा जिले के जिला परिषद व पंचायत समिति चुनाव जो जुन २०२० में होना था लेकिन उस समय चुनावी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया गया हालांकि कोरोना का खतरा अब भी कम नहीं हुआ है। लेकिन शासन द्वारा चुनावी कार्यक्रम शुरु किए गए हैं। जिसके चलते पुरे राज्य में जिन ग्राम पंचायतों का कार्यकाल खत्म हो गया था उनके चुनाव हो रहे है। जिसके लिए १५ जनवरी को मतदान होंगा। ग्राम पंचायत चुनाव संपन्न होने के बाद जिला परिषद व पंचायत समितिओं का चुनावी कार्यक्रम चुनाव आयोग द्वारा घोषित किया जाएगा। वर्तमान स्थिती में गोंदिया जिले में १८८ ग्राम पंचायतों के चुनाव हो रहे है। जिसमें गोंदिया तहसील ३७, तिरोड़ा तहसील ९२, गोरेगांव तहसील २५, सालेकसा तहसील ९, देवरी तहसील २९, सडक अर्जुनी तहसील १९, अर्जुनी मोरगांव तहसील २९ व आमगांव तहसील २२ ग्राम पंचायतों का समावेश है। विशेष यह है कि ग्राम पंचायत चुनाव राजनैतिक दलों के चुनाव चिन्ह पर नहीं होते है। लेकिन सभी राजनैतिक दलों के ग्रामीण स्तर पर जुड़े सक्रिय कार्यकर्ता चुनाव लड़ते है।

ग्राम पंचायत चुनाव के परिणामों से ही जिप व पस चुनावों के समीकरण बनेगे। जिसके पश्चात ही सभी राजनैतिक दल अपनी आगामी चुनावी राणनीति उजागर करेंगे।

#### ग्रापं चुनाव का लाभ जिप व पस समिति में

आगामी होनेवाले ग्राम पंचायत चुनावो में सभी राजनैतिक दल व नेता अपने-अपने कार्यकर्ताओं को जिताने का भरसक प्रयास कर रहे है। क्योंकि ग्राम पंचायत स्तर के जमीन से जुड़े कार्यकर्ता ही आगामी जिप व पस के चुनाव में मजबुती से कार्य करेंगे। इन चुनाव में जिन दलों का अधिक से अधिक ग्राम पंचायतों पर कब्जा होंगा उन्हें इसका लाभ निश्चित रुप से ही मिलेंगा।

#### मिनी मंत्रालय महत्वपूर्ण

जिले की राजनीति में जिला परिषद की सत्ता का महत्वपूर्ण योगदान होता है। जिसकी पहचान मिनी मंत्रालय के रुप में होने के साथ ही आगामी विधान परिषद चुनाव में भी लाभ होता है।

#### सभी दलों के वरिष्ठ नेता सक्रिय

ग्राम पंचायत चुनाव तथा आगामी होनेवाले जिप व पंचायत समिति के चुनाव के लिए सभी दलों के प्रमुख नेता व भावी जिप पंचायत समिति के उम्मीदवार पुरी तरह से सक्रिय होकर चुनावी संग्राम में जुट चुके है। जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस की ओर से सांसद व पूर्व केंद्रिय मंत्री प्रफुल पटेल का जिले में निरंतर जनसंपर्क अभियान शुरु हो चुका है। जिनके साथ राजेंद्र जैन व राष्ट्रवादी के अन्य पदाधिकारी भी गांव-गांव में पहुंच रहे है। भारतीय जनता पार्टी की ओर से चुनाव की कमान जिला अध्यक्ष केशवराव मानकर, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, हेमंत पटले, विधायक विजय रहांगडाले, नेतराम कटरे, राजकुमार बडोले सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं द्वारा कमान संभाली हुई है। कांग्रेस पक्ष की ओर से दोनों जिलों में प्रमुख नेता के रुप में विधान सभा अध्यक्ष नाना पटोले, विधायक सहषराम कोरेटे, जिलाध्यक्ष नामदेवराव किरसान कुछ दिनों पूर्व राकापा से कांग्रेस में आए गप्पु गुप्ता, अमर वराडे सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेसी, शिवसेना की ओर से जिलाध्यक्ष मुकेश शिवहरे तथा जिला समन्वयक पंकज यादव कमान संभाले हुए है। वहीं गोंदिया से गोंदिया विधान सभा क्षेत्र के निर्दलीय विधायक विनोद अग्रवाल भी अपने बाबी संघटन के साथ मैदान में उतरे हुए है। विशेष यह है कि बाबी संघटन के चुनाव लड़ने से किस बड़े राजनैतिक दल को लाभ होंगा या नुकसान इसका विश्लेषण ग्राम पंचायत के चुनावो के बाद ही सामने आएगा।

# चोरी की घटना का २४ घंटों में पर्दाफाश

### स्थानिक अपराध शाखा व आमगांव पुलिस की कार्यवाई

**गोंदिया**– आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले अनिहानगर निवासी फर्यादी लालाजी भैय्यालाल शिवबंसी (७०) के घर का दरवाजा खुला पाकर किन्ही अज्ञात चोरो ने घर में प्रवेश कर सोने-चांदी के जेवरात व नगदी ३२ हजार रुपए समेत कुल १ लाख ८६ हजार ५०० रुपए का माल लेकर फरार हो गए थे। फर्यादी की शिकायत आधार पर आमगांव थाने में अज्ञात चोरो के खिलाफ धारा ३८० के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही थी। इसी दौरान स्थानिक अपराध शाखा व आमगांव पुलिस थाने के पथक को मिली गुप्त सुचना के आधार पर व पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे के मार्गदर्शन में बबन आव्हाड पुलिस निरिक्षक स्थानिक अपराध शाखा गोंदिया व आमगांव पुलिस थाने के पुलिस निरिक्षक माने के नियंत्रण तथा देखरेख में २४ दिसंबर को स्थानिक अपराध शाखा व आमगांव के पुलिस पथक द्वारा उपरोक्त मामले के आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान संदिग्ध आरोपी अनमोल माणिकलाल आरसे (२४) निवासी महारीटोला को आमगांव परिसर से पुलिस ने हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी से जब उक्त चोरी की घटना के संबंध में कड़ाई से पुछताछ की गई तो उसने अपना गुन्हा कबुल किया। वहीं आरोपी द्वारा चोरी की गई सामग्री को भी पुलिस ने जब्त किया। उक्त कार्यवाई पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे के मार्गदर्शन में स्थानिक अपराध शाखा के पुलिस निरिक्षक बबन आव्हाड तथा आमगांव पुलिस थाने के पुलिस निरिक्षक माने के नियंत्रण व देखरेख में स्थानिक अपराध शाखा गोंदिया के अभयसिंह शिंदे, पुलिस हवलदार राजेश बढे, ठाकरे, गौतम, बिसेन आदि ने की। उसी प्रकार आमगांव थाने में कार्यरत पुलिस हवलदार गजापुरे, कोसमे, चालक खोब्रागडे व भंडारकर ने इस कार्यवाई में सहयोग देनेवाले अधिकारियों-कर्मचारियों व पुलिस अधिक्षक का आभार व्यक्त किया।

## ० से ५ वर्ष की उम्र तक बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियों की खुराक

**गोंदिया**– आगामी १७ जनवरी २०२१ को ० से लेकर ५ वर्ष की उम्र तक वाले बच्चों को पोलियों की खुरका पिलाई जाएगी। टीकाकरण से कोई भी बच्चा वंचित न रह ऐसा अहवान जिलाधिकारी दीपक कुमार मीणा ने किया है। जिसके लिए २८ दिसंबर को जिलाधिकारी कार्यालय में जिला नियोजन समिति के सभागृह में सभा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रुप से जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर.वी. राठौड, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (महिला व बाल कल्याण) संजय गणवीर, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. अमरीश मोहबे, माता व बाल देखरेख अधिकारी डॉ. संजय पंचाल, उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी विजय चव्हाण, पुलिस निरीक्षक वैशाली पाटिल तथा सभी तहसील के स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे। इस सभा में पोलियों अभियान को सफल बनाने का नियोजन बनाया गया। जिले में ० से ५ वर्ष से अधिक आयु वर्ग के १ लाख ९८५६ बच्चों को पोलियों का टीका लगाया जाएगा। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों के ९२६६१ तथा शहरी क्षेत्रों के १७१९५ बच्चों का समावेश है। जिसके लिए १ लाख ३९ हजार टीके उपलब्ध किए गए है, तथा ग्रामीण में १२८९ तथा शहरी क्षेत्र ११९ ऐसे कुल १४०८ केंद्रो का निर्माण किया जाएगा। इस अभियान में बायल्होयलंट टीके का उपयोग किया जाएगा। उक्त अभियान के दौरान पोलियों के टीके से वंचित बच्चों को घर में पहुंचकर टीका लगाया जाएगा। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र में ३ दिन तथा शहरी क्षेत्रों में ५ दिनों का अभियान चलाया जाएगा।

## भूमापक लिपिक कचरु मेश्राम रिश्वत लेते एसीबी के जाल में

गोंदिया- उपअधीक्षक भूमि अभिलेख कार्यालय गोरेगांव में कार्यरत नगर भूमापन लिपिक राजकुमार कचरु मेश्राम (५१) को ३ हजार की रिश्वत लेते हुए गोंदिया एसीबी ने २९ दिसंबर को धर दबोचा। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी की ग्राम होसीटोला स्थित भूमापन गट क्रमांक ६७ जो उनके पुत्र के नाम से १.०९ हेक्टर भूमि का नाप ७ दिसंबर को आरोपी द्वारा किया गया था। जिसकी क-प्रति देने के लिए आरोपी ने रु. ५ हजार रिश्वत की मांग की थी। फरियादी ने रिश्वत न देने का निश्चय कर इसकी शिकायत गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो में दर्ज करवाई। पश्चात विभाग ने कार्रवाई कर आरोपी हिरासत में लेकर गोरेगांव पुलिस थाने में धारा ७ भ्रष्टाचार प्रतिबंधक कानून के तहत मामला दर्ज किया गया। उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रश्मि नांदेडकर, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश दूदूलवार के मार्गदर्शन में गोंदिया के उपअधीक्षक स्माकांत कोकाटे, सहायक फौजदार शिवशंकर तुंबडे, नापोशि रंजीत बिसेन, दिगंबर जाधव, नितिन रंहागडाले, राजेंद्र बिसेन व देवानंद मारबदे ने की।

## ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा अड्डे में छापा

### गोंदिया पुलिस की कार्यवाई

**गोंदिया**– शहर में अवैध रुप से चल रहे ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा अड्डे में पुलिस ने छापामार कार्यवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले कचरा मोहल्ले में पुलिस ने २३ दिसंबर को दोपहर ३ बजे के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर विकास भालाधारे के निवास स्थान में छापामार कार्यवाई की जिसमें आरोपी कपील हरपालदास जुडीयानी (३३) निवासी कड़वी चौक नागपुर, जयकुमार किशोर मेघरानी (२६) निवासी सिंधी कॉलोनी खामला नागपुर, अजय श्रीचंद चांदवानी (२३) निवासी जरीपटका नागपुर, गोयल अशोक दिपानी (२१) निवासी गणेशनगर मंदीर चौक नागपुर को ऑस्ट्रेलिया में आयोजित बिग-बैस लिग टी-२० में ब्रसबॅन और ऐडीलेट स्ट्रायकर के बीच चल रहे मुकाबले में मोबाईल के माध्यम से ऑनलाइन सट्टे की राशि लेते पाया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से १५ मोबाईल, ४ लेपटॉप तथा १ टीवी सेट ऐसा कुल मिलाकर १ लाख ६३ हजार १०५ रुपए का माल बरामद किया गया है। उपरोक्त कार्यवाई पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी, उपविभागिय पुलिस अधिकारी जगदीश पांडे के मार्गदर्शन में शहर पुलिस थाने में कार्यरत महेश बंसोड, विजय राणे, संतोष सपाटे, जागेश्वर उईके, आमेश्वर मेश्राम, सुबोध कुमार बिसेन, योगेश बिसेन, प्रमोद चव्हान, सतिश शेंडे, दिपक रहांगडाले, छगन विठ्ठले, विनोद शहारे तथा विजय मानकर के द्वारा की गई।

## उम्रकैद के कैदी ने लगाई फांसी

**गोंदिया**– पैरोल पर आया उम्रकैद का कैदी फांसी पर लटका पाया गया। यह घटना गोरेगांव पुलिस थानांतर्गत भंडारा मार्ग पर २७ दिसंबर की सुबह के दौरान सामने आई। मृतक पाथरी निवासी बेनीराम आडकु टेंभूर्णीकर (७८) बताया गया है। गोरेगांव पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरु कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक बेनीराम टेंभूर्णिकर ने गत चार वर्ष पूर्व एक महिला की निर्मम हत्या कर दी थी। इस मामले में गोरेगांव पुलिस थाने में धारा ३०२ के तहत मामला दर्ज था। न्यायालय ने मृतक को दोषी करार देते हुए बेनीराम टेंभूर्णिकर को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। नागपुर कारागृह में बेनीराम टेंभूर्णिकर सजा काट रहा था कि इस दौरान कोरोना संकट आन पड़ा। जिसे देखते हुए दिशा निर्देशों के तहत न्यायालय बेनीराम टेंभूर्णिकर को ४५ दिन के पैरोल पर छोड़ दिया। ४५ दिन की अवधि समाप्त होने के बाद उसे नागपुर कारागृह में २४ दिसंबर को जाना था। लेकिन भंडारा मार्ग के एक पेड़ पर २७ दिसंबर को सुबह के दौरान बेनीराम फांसी पर लटका हुआ पाया गया। घटना की जानकारी गोरेगांव पुलिस को मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंचकर पंचनामा कर आगे की जांच हेतु पोस्टमार्टम हेतु गोरेगांव ग्रामीण चिकित्सालय में भेज दिया है। फिलहाल मर्ग दर्ज कर आगे की जांच पुलिस निरीक्षक वंजारी के मार्गदर्शन में पुलिस हवलदार श्याम डोंगरे द्वारा की जा रही है।

## तीन निजी चिकित्सालयो पर कार्रवाई, कोरोना उपचार के लिए अधिक राशि लेने पर ७३३०० की वसूली

**गोंदिया**– जिले में कोरोना संक्रमण बढ़ने के चलते उपचार के लिए कोरोना बाधित मरीज निजी चिकित्सालय में जाते हैं। लेकिन कुछ मामलों में चिकित्सालयों द्वारा उपचार के लिए अधिक राशि ली जाती है। जिसकी शिकायत जिला प्रशासन को प्राप्त होने पर तीन चिकित्सालयों पर कार्यवाही कर ७३,३०० की ली गई अतिरिक्त राशि की वसूली कर संबंधित मरीजों को वापस की गई।

विशेष यह है कि नागरिकों से कोरोना उपचार के लिए निजी चिकित्सालय की प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए अपर जिलाधिकारी राजेश खवले नोडल अधिकारी के रुप में नियुक्ति की गई है। जिनके मार्गदर्शन में जिला शल्य चिकित्सक, स्वास्थ्य अधिकारी व मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी जि.प. की एक समिति गठित की गई है। साथ ही कोरोना के उपचार के लिए ६ मान्यता प्राप्त निजी चिकित्सालयों पर नजर रखने के लिए ६ स्वतंत्र नोडल अधिकारी के दल की नियुक्ति भी की गई है। जिनके द्वारा अतिरिक्त राशि लेने तथा अन्य शिकायतों पर नजर रखी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि कोरोना के उपचार के लिए मान्यता प्राप्त निजी चिकित्सालय में महाराष्ट्र शासन द्वारा निश्चित की गई दर के अनुसार ही भुगतान लेना है तथा जिसकी जानकारी तथा सपर्क अधिकारी की जानकारी चिकित्सालय में प्रदर्शित करना है। उपचार के लिए शहर में मरीज जिले के बाहर, राज्य से व जिले के अन्य क्षेत्रों से मरीज आते हैं। लेकिन कुछ निजी चिकित्सालय द्वारा तय की गई दरों से अधिक की राशि बिल में वसुल करते हैं।

इस संदर्भ में संबंधित परिवार द्वारा लिखित में शिकायत नोडल अधिकारी से अथवा जिला अधिकारी के नियंत्रण कक्ष के संपर्क क्रमांक ०७१८२-२३०१९६ पर करने का आव्हान जिला प्रशासन द्वारा किया गया है।

## निवास टेक्स पर चल रहे व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई, एसबीआय सर्विस सेंटर सील

**गोंदिया**– गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत हजारों प्रतिष्ठान निवास टेक्स पर चल रहे हैं। जिससे नगर परिषद प्रतिवर्ष करोड़ों का नुकसान हो रहा है। इस मामले में बुलंद गोंदिया द्वारा १० दिसंबर के अपने अंक में समाचार भी प्रकाशित किया था। जिस पर नगर परिषद द्वारा संज्ञान लेते हुए कार्यवाही शुरु की। टेक्स वसुली अभियान के अंतर्गत इस मुद्दे पर भी कार्रवाई की जा रही है। इसी के चलते २९ दिसंबर को अंसारी वार्ड स्थित एसबीआय सर्विस सेंटर व जन्नत रेस्टोरेंट को सील किया गया। जिन पर वर्ष २०१७ से टेक्स बकाया था। इनके पास किराए का करारनामा भी नहीं था। साथ ही मरारटोली स्थित महिंद्रा फायनेंस कंपनी को महाराष्ट्र नगर परिषद, नगर पंचायत अधिनियम १९६५ की धारा ३३५ के तहत नोटिस दिया गया है। इन्हें ३ दिनों के भीतर किराए का करारनामा पेश करना होगा। जिसके पश्चात किराए के अनुसार टेक्स वसुला जाएगा। विशेष यह है कि शहर में ऐसे हजारों प्रतिष्ठान हैं जो निवास टेक्स पर चल रहे हैं। नप प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई है कि उन सभी की जांच कर उन पर भी नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उपरोक्त अभियान मुख्य अधिकारी करण चौहान के मार्गदर्शन में टेक्स अधीक्षक विशाल बनकर व उनकी टीम द्वारा की जा रही है।

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत

**निवास टैक्स पर चल रहे व्यवसायिक प्रतिष्ठान**

करोड़ों के टैक्स का ही रहा प्रतिवर्ष नप को नुकसान

## संपादकिय

# कोरोना का नया फैलाव

गनीमत है कि इसके लक्षण भी वही हैं, जो कोविड के हैं। इसलिए इस पर काबू पाना चिकित्सा विज्ञानियों के लिए मुश्किल काम नहीं है। वे बार-बार आश्वस्त भी कर रहे हैं कि इस नए खतरे से परेशान होने की कोई जरुरत नहीं है।

ब्रिटेन के अलावा दक्षिण अफ्रीका आदि में कोविड-१९ का नया प्रकार पाए जाने से स्वाभाविक ही दुनिया भर में चिंता बढ़ गई है। वैज्ञानिकों का मानना है कि कोरोना विषाणु अपना रुप बदल रहा है। समय-समय पर स्थितियों के मुताबिक विषाणु अपना स्वरुप बदलते रहते हैं, इसलिए यह आश्चर्यजनक बात नहीं है। पर चिंता की बात इसलिए है कि कोविड का यह नया रुप सत्तर फीसद अधिक तेज गति से फैल रहा है।

पूर्णबंदी हटने के बाद हवाई सेवाएं और सड़क परिवहन सुविधाएं खोल दी गई हैं। एक से दूसरे देशों में लोगों की आवाजाही होने लगी है। ऐसे में इस विषाणु का नया रुप कहां-कहां पहुंच गया होगा, अभी अंदाजा नहीं लगाया जा सका है। ब्रिटेन में इसका पता सितंबर में ही चल गया था। दक्षिण अफ्रीका में यह विषाणु वहीं से पहुंचा बताया जा रहा है। हालांकि कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका में पाया गया स्वरुप ब्रिटेन के विषाणु से भिन्न है।

अभी तक इसके खतरे का अंदाजा भी ठीक-ठीक नहीं लगाया जा सका है, पर गनीमत है कि इसके लक्षण भी वही हैं, जो कोविड के हैं। इसलिए इस पर काबू पाना चिकित्सा विज्ञानियों के लिए मुश्किल काम नहीं है। वे बार-बार आश्वस्त भी कर रहे हैं कि इस नए खतरे से परेशान होने की कोई जरुरत नहीं है।

दरअसल, कोरोना के पिछले अनुभवों को देखते हुए लोगों में एक प्रकार का भय बना हुआ है, इसलिए इससे संबंधित कोई भी बदलाव उनमें स्वाभाविक रुप से भय को बढ़ा देता है। अभी कई देश कोरोना संकट से बाहर नहीं निकल पाए हैं। अमेरिका में स्थिति संभाली नहीं जा सकी है। हालांकि अब कई देशों ने इसके टीके बना लिए हैं और वहां टीकाकरण की प्रक्रिया जारी है।

इससे विश्वास पैदा हुआ है कि जल्दी ही लोगों में प्रतिरोधक क्षमता के विकास में कामयाबी हासिल कर ली जाएगी। मगर चूंकि ये टीके अभी आम आदमी की क्षमता से बाहर हैं और ज्यादातर देश टीका विकसित नहीं कर पाए हैं, वे दूसरे देशों की कंपनियों पर निर्भर हैं, इसलिए इस विषाणु से पूरी तरह मुक्ति कब तक मिल पाएगी, दावा नहीं किया जा सकता। भारत का स्वास्थ्य विभाग इस विषाणु के नए रुप को लेकर पहले से सतर्क है।

इस पर लगातार नजर रखी जा रही है। ब्रिटेन आदि देशों से भारत आए और उनमें संक्रमित पाए गए लोगों पर कड़ी नजर रखी गई है। फिलहाल इस विषाणु से प्रभावित जगहों पर आवाजाही बंद कर दी गई है। इससे काफी आश्वस्ति मिलती है।

मगर अब भी सावधानी, सतर्कता और तत्परता ही सबसे बड़ा उपाय है, इसके फैलाव को रोकने का। बंदी खुलने के बाद कई शहरों में कड़े प्रतिबंध के बावजूद जिस तरह लोग मानमानी करते पाए जा रहे हैं, जरुरी सावधानी की परवाह भी नहीं करते, वह ज्यादा चिंता की बात है। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि किसी संक्रमित व्यक्ति की जब तक पहचान होती है, तब तक वह अपने संपर्क में आने वाले कम से कम बीस और लोगों को संक्रमित कर चुका होता है।

इस तरह जो श्रृंखला बनती है, उसे तोड़ पाना खासा कठिन काम हो जाता है। इसलिए बेशक अपने यहां अब कोरोना का असर उतार पर नजर आ रहा है, इसका टीका भी जल्दी ही उपलब्ध हो सकेगा, पर इतने भर से शिथिल नहीं हो जाना चाहिए। सरकारों को बाहर से आए लोगों के संपर्क में आने वालों की भी पहचान, परीक्षण और उन पर निगरानी बनाए रखनी चाहिए।

# योग : एक संपूर्ण विज्ञान

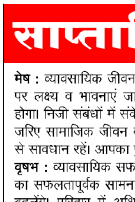



**योगाचार्य नरेन्द्र आर्य**

संपूर्ण संसार जीवन व जगत से सम्बद्ध सभी क्षेत्रों में योग की उपयोगिता को दिन-प्रतिदिन आवश्यक अनुभव करती जा रही है। वस्तुत: लोग योग से जितनी अपेक्षा कर रहे हैं, योग उन्हें उससे कई गुना अधिक लाभ पहुंचा रहा है।

**योग का अर्थ :** योग शब्द संस्कृत के **युज समाधौ** धातु से बना हैं। जिसका अर्थ होता है- जोड़ना अर्थात किसी भी वस्तु से अपने को जोड़ना या किसी कार्य से स्वंय को लगाना

**योग की परिभाषाएं :** भारतीय दर्शनों में योग विद्या का महत्वपूर्ण स्थान है। योग विद्या संबंधित ज्ञान सभी भारतीय ग्रंथों में अनेक स्थानों पर देखने को मिलता है। वेद, पुराण, उपनिषद, दर्शन, श्रीमद् भगवद गीता आदि ग्रंथो में योग विद्या विद्यमान है।

योग सुत्र के प्रणेता महर्षि पंतजलि ने योग की निम्न परिभाषा दी है-

**योगश्चित्तवृत्तिनिरोध:।**

अर्थात चित्त की वृत्तियों का सर्वथा रुकना योग है। चित्त का तात्पर्य यहां मन से है।

महर्षि व्यास के अनुसार- **योग समाधि**

महर्षि व्यास कहते हैं कि योग नाम समाधि का है। समाधि द्वारा जीवात्मा उस सत् चित् आनंद स्वरुप ब्रम्ह का साक्षात्कार करता है।

**योग का उद्देश्य :** योग का उद्देश्य हमारे जीवन में समग्र विकास करना है। योग जीवन जीने की कला है। योग एक ऐसा साधन विज्ञान है, जिसके द्वारा जन्म-जन्मों के संस्कार क्षीण अर्थात नष्ट होते है, शारीरिक-मानसिक निरोगता, स्वस्थता व कुविचारों- कुसंस्कारों से मुक्ति मिलती है एवं जीवन उच्च व दिव्य बनता है।

**योग का महत्व :** यह योग विद्या प्राचीन काल से अब तक के योगियों के हृदय को पवित्र करती आयी है। यह विद्या हमारे कृषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त ऐसा साधन विज्ञान है, जो मानवजाति का उद्धार करने में समर्थ है। योग विद्या द्वारा आत्मा का परमात्मा से मिलन संभव है। यदि योग विद्या को मानव धर्म से अलग कर दिया जाए तो मानवजाति का उद्धार संभव नहीं है। इसी योग साधना द्वारा ही आत्मसाक्षात्कार होता है। इसलिए याज्ञवलक्य मनुस्मृति में कहा है-

**अयं तु वरमो धर्मों, यत्योगे आत्म दर्शनम् ।**

अर्थात जिस साधना से आत्मदर्शन और ब्रम्ह साक्षात्कार होता है, वह योग शास्त्र है। जिसमें योग के आठ अंगों का वर्णन महर्षि पंतजलि ने किया है। महर्षि पतंजलि ने योग को ८ अंगो में विभाजित कर रखा है-

**यमनियमासनप्राणायमप्रत्याहारधारणा-**
**ध्यानसमाधयोऽष्टाग्ङानि ।**

अष्टांग योग का पहला अंग है- **यम**। यम के अंतर्गत पांच तत्व आते हैं। महर्षि पतंजलि ने योग दर्शन में ५ प्रकार के यमों का वर्णन किया है-

**अहिंसासत्यास्तेयब्रम्हचर्यापरिग्रहायमा:।**

अर्थात अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रम्हचर्य और अपरिग्रह यह पांच यम है। व्यक्ति ने यम शब्द से भ्रम में नहीं पड़ना चाहिए। मृत्यु के देवता को भी यम कहते हैं। यहां उस यम से कोई तात्पर्य नहीं है। यहां यम शब्द से उपरोक्त ५ व्रतों का ही भाव है।

**अहिंसा-** साधारण रीति से दु:ख न देने को अहिंसा कहते हैं। इस प्रकार अहिंसा का अर्थ हुआ- न मारना, न सताना, न दु:ख देना। ऐसे कर्म जिसके द्वारा किसी को शारीरिक-मानसिक कष्ट पहुंचता हो, वो हिंसा कहलाता है।

महात्मा गांधी के अनुसार- कुविचार मात्र हिंसा हैं, उतावलापन हिंसा है, मिथ्याभाषण हिंसा है, द्वेष हिंसा है, किसी का बुरा चाहना हिंसा है। इसके अतिरिक्त किसी को मारना, कटुवचन बोलना, दिल दुखाना, कष्ट देना तो हिंसा है, इन सबसे बचना अहिंसा है।

केवल शब्दार्थ से ही अहिंसा का भाव नहीं ढुंढा जा सकता। इसके लिए योगीराज कृष्ण द्वारा अर्जुन को दी हुई व्यवहारिक शिक्षा का आश्रय लेना पड़ेगा। अर्जुन देखता है कि युद्ध में इतनी अपार सेना की हत्या होगी, इतने मनुष्य मारे जाएंगे यह हिंसा है, मुझे भारी पाप लगेगा। वह धनुष-बाण रख देते हैं और रथ के पिछले भाग में जाकर बैठते हैं। तब भगवान कृष्ण अर्जुन की शंका का समाधान करते हुए कहते हैं-

**अहिंसा परमो धर्म: धर्म हिंसा तथैव च:।**

इस श्लोक के अनुसार अहिंसा ही परम धर्म है, परंतु जब धर्म पर आंच आए तो धर्म की रक्षा के लिए की गई हिंसा, उससे भी बड़ा धर्म है। हमें हमेशा अहिंसा का मार्ग अपनाना चाहिए। लेकिन हमारे धर्म, राष्ट्र पर कोई आंच आ जाए, तो हमें अहिंसा का मार्ग त्याग कर हिंसा का रास्ता अपनाना चाहिए। क्योंकि धर्म के लिए की गई वह हिंसा ही सबसे बड़ा धर्म है। जैसे हम अहिंसा के पूजारी हैं, लेकिन अगर कोई हमारे परिवार को कोई हानि पहुंचाता है, तो इसके लिए की गई हिंसा सबसे बड़ा धर्म है। वैसे ही हमारे राष्ट्र के लिए है।

भारतीय नेताओं ने हमारे महान राष्ट्र भारत के महाकाव्य महाभारत के इस सबसे महत्वपूर्ण श्लोक को लोगों तक पुरा नहीं पहुंचाया है। दुर्भाग्यवश इस श्लोक को कुछ राजनैतिक स्वार्थो के लिए पुरा न बताकर, भारतवासियों के साथ छल किया गया। हमें पुरा श्लोक कभी बताया ही नहीं गया।

**अहिंसा परमो धर्म:** पूर्ण नहीं है।

पूर्ण श्लोक है-

**अहिंसा परमो धर्म: धर्म हिंसा तथैव च: ।**

# साप्ताहिक राशिफल

**मेष :** व्यावसायिक जीवन को दिशा देंगे व निजी संबंधों को लेकर भावुक रहेंगे, पर लक्ष्य व भावनाएं जाहिर करने से बचेंगे। कुछ महत्वपूर्ण लोगों से जुड़ाव होगा। निजी संबंधों में संवेदनशीलता दिखाने की जरुरत है। ऑनलाइन संपर्क के जरिए सामाजिक जीवन व्यस्त रहेगा। एक युवा महत्वाकांक्षी व अहंकारी शख्स से सावधान रहें। आपका पुत्र एक नई यात्रा के लिए तैयार है, उसे शुभाशीष दें।

**वृषभ :** व्यावसायिक सफलता व भौतिक लाभ का योग है। कार्यक्षेत्र में बाधाओं का सफलतापूर्वक सामना करेंगे। निजी संबंध उम्रभर साथ निभाने के वायदे में बदलेंगे। परिवार में अशिष्ट व अहंकारी शख्स से सावधान रहें, वह अप्रिय परिस्थितियां पैदा कर सकता है। व्यावसायिक यात्रा टल सकती है। भविष्य के लिए अच्छी योजनाएं बनाएं व सुस्पष्ट निर्णय लें।

**मिथुन :** स्वकेंद्रित रहते हुए सकारात्मक सोच के साथ एक समय पर एक निर्णय लें। छोटी-छोटी चीजों पर ऊर्जा बर्बाद करने के चलते निजी व व्यावसायिक जीवन के अहम पहलुओं की अनदेखी करने से बचें। घर व कार्यस्थल पर समझौता करने व बंदिशें मानने को तैयार नहीं होंगे। निजी संबंधों व व्यावसायिक परिस्थितियों का अधिक विश्लेषण असमंजस उत्पन्न करेगा। इस संदर्भ में दिल की आवाज सुनें।

**कर्क :** कार्यों को कुछ समय तक टालने की प्रवृत्ति रखेंगे। स्वयं से संवाद करें। एक संक्षिप्त अवकाश आपके भीतर नई ऊर्जा का संचार करेगा। इसके बाद व्यावसायिक जीवन में उत्साह से कदम रखेंगे। परिवार व दोस्तों से मुलाकात को व्यग्र रहेंगे। पुराने संवंधों के प्रति प्रेम अनवरत है, पर जीवन में थोड़ा रोमांच घोलने की जरुरत है। खरीदारी, खान-पान व मौज-मस्ती के अतिरेक से बचें।

**सिंह :** आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद होंगे, जबकि चल या अचल संपत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। वाणी पर संयम रखने की जरुरत है। नई संभावनाएं आपका इंतजार कर रही हैं। जीवन के प्रत्येक क्षण का आनंद लें।

**कन्या :** ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। व्यापारिक साझेदारी में सहयोग व मजबूती हासिल करेंगे। कार्यक्षेत्र में लोगों को जिम्मेदारी सौंपे व भरोसे का माहौल बनाएं। पेशेवर जीवन में चुनौतियां स्वीकार करने का साहस आपके भीतर है। आपकी मजबूती कई रुपों में परिलक्षित होगी। प्रेम संबंध को उम्रभर के साथ में बदलने की चाह जगेगी। दिल व दिमाग दोनों सुकून महसूस करेंगे।

**तुला :** नई ऊर्जा के साथ व्यावसायिक जीवन में आगे बढ़ेंगे। निजी व पेशेवर जिंदगी में अलग राह चुनने व मौलिकता बरकरार रखने का साहस आपमें है। कुछ सुखद समाचार या मेहमान दस्तक दे सकते हैं। बेटी अपने भविष्य से जुड़े फैसले लेने के लिए तैयार है। ऑफिस व घर के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। खेलों, कला व नृत्य में रुचि लेंगे। योग व ध्यान से चेतना के उच्च स्तर को प्राप्त करेंगे।

**वृश्चिक :** किसी प्रिय को अपने पास छुट्टियां बिताने बुलवा सकते हैं और यह आपके जीवन का बहुमूल्य समय साबित होगा। बजट में आने वाली संपत्ति आपको मिल सकती है। कुछ कमियों के बावजूद बॉस को खुश रखना आपके लिए उपलब्धि बन सकता है। दोस्तों की मंडली में जेब ढीली करने से बचें, पर्स खाली हो सकता है।

**धनु :** परिवार की बड़ी समस्या अब सुलझती नजर आ रही है। कार्यालय में काम के साथ आप आनंद के लिए भी बंदोबस्त कर सकते हैं। किसी के साथ आप थोड़ी देर के लिए मिलेंगे तो इंप्रेस होगा। खर्च आय से ज्यादा होगा।

**मकर :** पूर्व का निवेश अच्छी वापसी दे सकता है। परिवार में किसी मेहमान के आने की वजह से थकान होने वाली है और उसे आप मस्ती में बदल सकते हैं। घर में उलटफेर कुछ लोगों की प्राथमिकता में रह सकती है। काम में अपनी गति कम न होने दें।

**कुंभ** : आते-जाते लोगों से मिलकर आप अपने सामाजिक संबंध को जिंदा रख सकते हैं। शैक्षणिक मोर्चे पर काम का बोझ ज्यादा हो सकता है लेकिन आप उससे समझदारी से निपटने में समर्थ होंगे। आप काम में कोई गलती नहीं कर सकते। पौष्टिक भोजन करना आपकी सेहत के लिए आवश्यक है।

**मीन :** पेशेवर मोर्चे पर आपका अच्छा प्रदर्शन जारी रहेगा। किसी प्रतियोगिता की तैयारी आपके लिए पहले से आसान हो सकती है। समाज में कोई आपसे मदद मांग सकता है। पैसे की कोई कमी नहीं है फिर भी आपको समझदारी से खर्च करने की जरुरत है। रोमांटिक विचार देर से पूरा होगा और इंतजार करना होगा। वैकल्पिक दवाई आपकी बीमारी के लिए सही साबित नहीं होगी।

# अटल बिहारी वाजपेयी



अटल बिहारी वाजपेयी (२५ दिसंबर १९२४ - १६ अगस्त २०१८) भारत के दो बार के प्रधानमंत्री थे। वे पहले १६ मई से १ जून १९९६ तक, तथा फिर १९ मार्च १९९८ से २२ मई २००४ तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। वे हिंदी कवि, पत्रकार व एक प्रखर वक्ता थे। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में एक थे, और १९६८ से १९७३ तक उसके अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने लंबे समय तक राष्ट्रधर्म, पाण्चजन्य और वीर अर्जुन आदि राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत अनेक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन भी किया।

वह चार दशकों से भारतीय संसद के सदस्य थे, लोकसभा, निचले सदन, दस बार, और दो बार राज्य सभा, ऊपरी सदन में चुने गए थे। उन्होंने लखनऊ के लिए संसद सदस्य के रुप में कार्य किया, २००९ तक उत्तर प्रदेश जब स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण सक्रिय राजनीति से सेवानिवृत्त हुए। अपना जीवन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रुप में आजीवन अविवाहित रहने का संकल्प लेकर प्रारंभ करने वाले वाजपेयी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के पहले प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री पद के ५ वर्ष बिना किसी समस्या के पूरे किए। आजीवन अविवाहित रहने का संकल्प लेने के कारण इन्हे भीष्मपितामह भी कहा जाता है। उन्होंने २४ दलों के गठबंधन से सरकार बनाई थी जिसमें ८१ मंत्री थे।

२००५ से वे राजनीति से संन्यास ले चुके थे और नई दिल्ली में ६-ए कृष्णामेनन मार्ग स्थित सरकारि आवास में रहते थे। १६ अगस्त २०१८ को एक लंबी बीमारी के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली में श्री वाजपेयी का निधन हो गया। वे जीवन भर भारतीय राजनीति में सक्रिय रहे।

### आरम्भिक जीवन

उत्तर प्रदेश में आगरा जनपद के प्राचीन स्थान बटेश्वर के मूल निवासी पण्डित कृष्ण बिहारी वाजपेयी मध्य प्रदेश की ग्वालियर रियासत में अध्यापक थे। वहीं शिन्दे की छावनी में २५ दिसंबर १९२४ को ब्रम्हमुहूर्त में उनकी सहधर्मिणी कृष्णा वाजपेयी की कोख से अटल जी का जन्म हुआ था। पिता कृष्ण बिहारी वाजपेयी ग्वालियर में अध्यापन कार्य तो करते ही थे इसके अतिरिक्त वे हिंदी व ब्रज भाषा के सिद्धहस्त कवि भी थे। पुत्र में काव्य के गुण वंशानुगत परिपाटी से प्राप्त हुए। महात्मा रामचन्द्र वीर द्वारा रचित अमर कृति **विजय पताका** पढ़कर अटल जी के जीवन की दिशा ही बदल गयी। अटल जी की बी.ए. की शिक्षा ग्वालियर के विक्टोरिया कालेज (वर्तमान में लक्ष्मीबाई कालेज) में हुई। छात्र जीवन से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने और तभी से राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे।

कानपुर के डीएवी कालेज से राजनीति शास्त्र में एम.ए. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। उसके बाद उन्होंने अपने पिताजी के साथ-साथ कानपुर में ही एल.एल.बी. की पढ़ाई भी प्रारम्भ की लेकिन उसे बीच में ही विराम देकर पूरी निष्ठा से संघ के कार्य में जुट गये। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के निर्देशन में राजनीति का पाठ तो पढ़ा ही, साथ-साथ पाण्चजन्य, राष्ट्रधर्म, दैनिक स्वदेश और वीर अर्जुन जैसे पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादन का कार्य भी कुशलता पूर्वक करते रहे।

सर्वतोमुखी विकास के लिये किये गये योगदान तथा असाधारण कार्यो के लिये २०१५ में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

### राजनीतिक जीवन

वह भारतीय जनसंघ की स्थापना करने वालों में से एक थे और सन् १९६८ से १९७३ तक वह उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके थे। सन् १९५२ में उन्होंने पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा, परन्तु सफलता नहीं मिली। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और सन् १९५७ में बलरामपुर (जिला गोण्डा, उत्तर प्रदेश) से जनसंघ के प्रत्याशी के रुप में विजयी होकर लोकसभा में पहुंचे। सन् १९५७ से १९७७ तक जनता पार्टी की स्थापना तक वे बीस वर्ष तक लगातार जनसंघ के संसदीय दल के नेता रहे। मोरारजी देसाई की सरकार में सन् १९७७ से १९७९ तक विदेश मन्त्री रहे और विदेशों में भारत की छवि बनायी।

१९८० में जनता पार्टी से असन्तुष्ट होकर इन्होंने जनता पार्टी छोड़ दी और भारतीय जनता पार्टी की स्थापना में मदद की। ६ अप्रैल १९८० में बनी भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद का दायित्व भी वाजपेयी को सौंपा गया। दो बार राज्यसभा के लिये भी निर्वाचित हुए। लोकतन्त्र के सजग प्रहरी अटल बिहारी वाजपेयी ने सन् १९९६ में प्रधानमन्त्री के रुप में देश की बागडोर संभाली। १९ अप्रैल १९९८ को पुन: प्रधानमन्त्री पद की शपथ ली और उनके नेतृत्व में १३ दलों की गठबन्धन सरकार ने पांच वर्षों में देश के अन्दर प्रगति के अनेक आयाम छुए।

सन् २००४ में कार्यकाल पूरा होने से पहले भयंकर गर्मी में सम्पन्न कराये गये लोकसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन (एनडीए) ने वाजपेयी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा और भारत उदय (इण्डिया शाइनिंग) का नारा दिया। इस चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। ऐसी स्थिति में वामपंथी दलों के समर्थन से कांग्रेस ने भारत की केन्द्रीय सरकार पर कायम होने में सफलता प्राप्त की और भाजपा विपक्ष में बैठने को मजबूर हुई। सम्प्रति वे राजनीति से संन्यास ले चुके हैं और नई दिल्ली में ६-ए कृष्णामेनन मार्ग स्थित सरकारी आवास में रहते थे।

### व्यक्तिगत जीवन

वाजपेयी अपने पूरे जीवन अविवाहित रहे। उन्होंने लंबे समय से दोस्त राजकुमारी कौल और बी. एन. कौल की बेटी नमिता भट्टाचार्य को उन्होंने दत्तक पुत्री के रुप में स्वीकार किया। राजकुमारी कौल की मृत्यु वर्ष २०१४ में हो चुकी है। अटल जी के साथ नमिता और उनके पति रंजन भट्टाचार्य रहते थे, वह हिंदी में लिखते हुए एक प्रसिद्ध कवि थे। उनके प्रकाशित कार्यों में कैदी कविराई कुंडलियां शामिल हैं, जो १९७५-७७ आपातकाल के दौरान कैद किए गए कविताओं का संग्रह था, और अमर आग है। अपनी कविता के संबंध में उन्होंने लिखा- मेरी कविता युद्ध की घोषणा है, हारने के लिए एक निर्वासन नहीं है। यह हारने वाले सैनिक की निराशा की ड्रमबीट नहीं है, लेकिन युद्ध योद्धा की जीत होगी। यह निराशा की इच्छा नहीं है लेकिन जीत का हलचल चिल्लाओ।

### प्रधानमंत्री के रुप में कार्यकाल

**भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाना –**

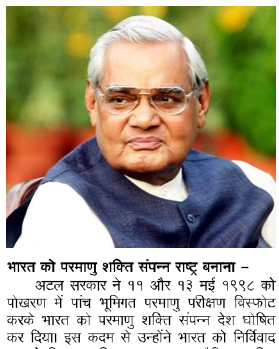

अटल सरकार ने ११ और १३ मई १९९८ को पोखरण में पांच भूमिगत परमाणु परीक्षण विस्फोट करके भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश घोषित कर दिया। इस कदम से उन्होंने भारत को निर्विवाद रुप से विश्व मानचित्र पर एक सुदृढ वैश्विक शक्ति के रुप में स्थापित कर दिया। यह सब इतनी गोपनीयता से किया गया कि अति विकसित जासूसी उपग्रहों व तकनीक से संपन्न पश्चिमी देशों को इसकी भनक तक नहीं लगी। यही नहीं इसके बाद पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए लेकिन वाजपेयी सरकार ने सबका दृढ़तापूर्वक सामना करते हुए आर्थिक विकास की ऊंचाईयों को छुआ।

**पाकिस्तान से संबंधों में सुधार की पहल –**

१९ फरवरी १९९९ को सदा-ए-सरहद नाम से दिल्ली से लाहौर तक बस सेवा शुरु की गई। इस सेवा का उद्घाटन करते हुए प्रथम यात्री के रुप में वाजपेयी जी ने पाकिस्तान की यात्रा करके नवाज शरीफ से मुलाकात की और आपसी संबंधों में एक नयी शुरुआत की।

**कारगिल युद्ध –**

कुछ ही समय पश्चात पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ की शह पर पाकिस्तानी सेना व उग्रवादियों ने कारगिल क्षेत्र में घुसपैठ करके कई पहाड़ी चोटियों पर कब्जा कर लिया। अटल सरकार ने पाकिस्तान की सीमा का उल्लंघन न करने की अंतरराष्ट्रीय सलाह का सम्मान करते हुए धैर्यपूर्वक किंतु ठोस कार्यवाही करके भारतीय क्षेत्र को मुक्त कराया। इस युद्ध में प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण भारतीय सेना को जान माल का बहुत नुकसान हुआ और पाकिस्तान के साथ शुरु किए गए संबंध सुधार एकबार पुन: शून्य हो गए।

**स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना –**

भारत भर के चारों कोनों को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना (गोल्डन क्वाड्रिलेट्रल प्रोजैक्ट या संक्षेप में जी.क्यू. प्रोजैक्ट) की शुरुआत की गई। इसके अंतर्गत दिल्ली, कलकत्ता, चेन्नई व मुम्बई को राजमार्गो से जोड़ा गया। ऐसा माना जाता है कि अटल जी के शासनकाल में भारत में जितनी सड़कों का निर्माण हुआ इतना केवल शेरशाह सूरी के समय में ही हुआ था।

**वाजपेयी सरकार के अन्य प्रमुख कार्य**

एक सौ वर्ष से भी ज्यादा पुराने कावेरी जल विवाद को सुलझाया।

- संरचनात्मक ढांचे के लिये कार्यदल, सॉफ्टवेयर विकास के लिये सूचना एवं प्रौद्योगिकी कार्यदल, विद्युतीकरण में गति लाने के लिये केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग आदि का गठन किया।
- राष्ट्रीय राजमार्गो एवं हवाई अड्डों का विकास, नई टेलीकॉम नीति तथा कोकण रेलवे की शुरुआत करके बुनियादी संरचनात्मक ढांचे को मजबूत करने वाले कदम उठाये।
- राष्ट्रीय सुरक्षा समिति, आर्थिक सलाह समिति, व्यापार व उद्योग समिति का गठित।
- आवश्यक उपभोक्ता सामग्रियों के मूल्यों को नियन्त्रित करने के लिये मुख्यमंत्रियों का सम्मेलन बुलाया।
- उड़ीसा के सर्वाधिक निर्धन क्षेत्र के लिये सात सूत्रीय निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रम शुरु किया।
- आवास निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए अर्बन सीलिंग एक्ट समाप्त किया।
- ग्रामीण रोजगार सृजन एवं विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के लिये बीमा योजना शुरु की।
- सरकारी खर्चे पर रोजा इफ्तार शुरु किया।

ये सारे तथ्य सरकारी विज्ञप्तियों के माध्यम से समय समय पर प्रकाशित होते रहे हैं।

### कवि के रुप में

अटल बिहारी वाजपेयी राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ एक कवि भी थे। मेरी इक्यावन कविताएं अटल जी का प्रसिद्ध काव्यसंग्रह है। वाजपेयी जी को काव्य रचनाशीलता एवं रसास्वाद के गुण विरासत में मिले हैं। उनके पिता कृष्ण बिहारी वाजपेयी ग्वालियर रियासत में अपने समय के जाने-माने कवि थे। वे ब्रजभाषा और खड़ी बोली में काव्य रचना करते थे। पारिवारिक वातावरण साहित्यिक एवं काव्यमय होने के कारण उनकी रगों में काव्य रक्त-रस अनवरत घूमता रहा है। उनकी सर्व प्रथम कविता ताजमहल थी। इसमें शृंगार रस के प्रेम प्रसून न चढ़ाकर **एक शहंशाह ने बनवा के हसीं ताजमहल, हम गरीबों की मोहब्बत का उड़ाया है मजाक** की तरह उनका भी ध्यान ताजमहल के कारीगरों के शोषण पर ही गया। वास्तव में कोई भी कवि हृदय कभी कविता से वंचित नहीं रह सकता।

अटल जी ने किशोर वय में ही एक अद्भुत कविता लिखी थी - हिन्दू तन-मन हिन्दू जीवन, रग-रग हिन्दू मेरा परिचय, जिससे यह पता चलता है कि बचपन से ही उनका रुझान देश हित की तरफ था।

राजनीति के साथ-साथ समष्टि एवं राष्ट्र के प्रति उनकी वैयक्तिक संवेदनशीलता आद्योपान्त प्रकट होती ही रही है। उनके संघर्षमय जीवन, परिवर्तनशील परिस्थितियां, राष्ट्रव्यापी आन्दोलन, जेल-जीवन आदि अनेक आयामों के प्रभाव एवं अनुभूति ने काव्य में सदैव ही अभिव्यक्ति पायी। विख्यात गजल गायक जगजीत सिंह ने अटल जी की चुनिंदा कविताओं को संगीतबद्ध करके एक एल्बम भी निकाला था।

### अटल जी की प्रमुख रचनायें

उनकी कुछ प्रमुख प्रकाशित रचनाएं -

- रग-रग हिन्दू मेरा परिचय
- मृत्यु या हत्या
- अमर आग है
- अमर बलिदान (लोक सभा में अटल जी के वक्तव्यों का संग्रह)
- कैदी कविराय की कुण्डलियां
- संसद में तीन दशक
- कुछ लेख : कुछ भाषण
- सेक्युलर वाद
- राजनीति की रपटीली राहें
- मेरी इक्यावन कविताएं
- बिन्दु बिन्दु विचार, इत्यादि।

**पुरस्कार :**

१९९२ : पद्म विभूषण
१९९३ : डी.लिट. (कानपुर विश्वविद्यालय)
१९९४ : लोकमान्य तिलक पुरस्कार
१९९४ : श्रेष्ठ सासंद पुरस्कार
१९९४ : भारत रत्न पंडित गोविंद वल्लभ पंत पुरस्कार
२०१५ : डी.लिट. (मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय)
२०१५ : शेंड्स ऑफ बांग्लादेश लिबरेशन वार अवॉर्ड, (बांग्लादेश सरकार द्वारा)
२०१५ : भारतरत्न से सम्मानित

**अटल जी की टिप्पणियां :**

चाहे प्रधानमन्त्री के पद पर रहे हों या नेता प्रतिपक्षय बेशक देश की बात हो या क्रान्तिकारियों की, या फिर उनकी अपनी ही कविताओं की नपी-तुली और बेवाक टिप्पणी करने में अटल जी कभी नहीं चूके। यहां पर उनकी कुछ टिप्पणियां दी जा रही हैं।

- भारत को लेकर मेरी एक दृष्टि है- ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो।
- क्रान्तिकारियों के साथ हमने न्याय नहीं किया, देशवासी महान क्रान्तिकारियों को भूल रहे हैं, आजादी के बाद अहिंसा के अतिरेक के कारण यह सब हुआ।
- मेरी कविता जंग का ऐलान है, पराजय की प्रस्तावना नहीं। वह हारे हुए सिपाही का नैराश्य-निनाद नहीं, जूझते योद्धा का जय-संकल्प है। वह निराशा का स्वर नहीं, आत्मविश्वास का जयघोष है।

**मृत्यु :**

वाजपेयी को २००९ में एक दौरा पड़ा था, जिसके बाद वह बोलने में असक्षम हो गए थे। उन्हें ११ जून २०१८ में किडनी में संक्रमण और कुछ अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था, जहां १६ अगस्त २०१८ को शाम ०५.०५ बजे उनकी मृत्यु हो गयी। उनके निधन पर जारी एम्स के औपचारिक बयान में कहा गया- पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने १६ अगस्त २०१८ को शाम ०५.०५ बजे अंतिम सांस ली। पिछले ३६ घंटों में उनकी तबीयत काफी खराब हो गई थी। हमने पूरी कोशिश की पर आज उन्हें बचाया नहीं जा सका।

उन्हें अगले दिन १७ अगस्त को हिंदू रीति रिवाज के अनुसार उनकी दत्तक पुत्री नमिता कौल भट्टाचार्या ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनका समाधि स्थल राजघाट के पास शान्ति वन में बने स्मृति स्थल में बनाया गया है। उनकी अंतिम यात्रा बहुत भव्य तरीके से निकाली गयी। जिसमे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सैंकड़ों नेतागण पैदल चलते हुए गंतव्य तक पहुंचे। वाजपेयी के निधन पर भारत भर में सात दिन के राजकीय शोक की घोषणा की गयी। अमेरिका, चीन, बांग्लादेश, ब्रिटेन, नेपाल और जापान समेत विश्व के कई राष्ट्रों द्वारा उनके निधन पर दु:ख जताया गया। अटल जी की अस्थियों को देश की सभी प्रमुख नदियों में विसर्जित किया गया।

# उम्मीद्वारों की चुनावी खर्च राशि २५ से ५० हजार रुपए निर्धारित

## चुनाव विभाग की रहेंगी कड़ी नजर

**गोंदिया-** जिले में १८१ ग्राम पंचायतों हेतु १५ जनवरी को चुनाव होनेवाला है। ग्राम पंचायतों का चुनाव नजदीक आने से इसे जिप चुनाव जितना महत्व दिया जा रहा है। चुनाव में जीत प्राप्त करने के लिए उम्मीद्वारों की ओर से बड़े पैमाने पर पैसा खर्च किया जाता है। जिसके चलते चुनाव आयोग की ओर से उक्त चुनाव हेतु उम्मीद्वारों की ओर से की जानेवाली खर्च राशि २५ से ५० हजार रुपए निर्धारित की गई है। जिसमें ७ से ९ सदस्य वाली ग्राम पंचायत में उम्मीद्वारों को २५ हजार रुपए, ११ से १३ सदस्य वाली ग्राम पंचायत हेतु ३५ हजार तथा १५ से १७ सदस्य वाली ग्राम पंचायत के लिए ५० हजार रुपए की राशि निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायतों को १४ वित्तिय आयोग व अन्य योजनाओं के माध्यम से बड़े पैमाने पर निधि उपलब्ध करवाई जाती है। जिसके चलते जिप सदस्य होने की अपेक्षा ग्राम पंचायत में सरपंच होने की स्पर्धा बढ़ गई है। स्थानिक राजकरण में पकड़ मजबूत करने के लिए ग्राम पंचायत के चुनाव होना अनिवार्य है। जिसके चलते इस ग्राम पंचायत चुनाव में विभिन्न राजकीय पक्षों के कई उम्मीद्वार अपनी किस्तम अजमाने जा रहे है। उल्लेखनिय है कि ग्राम पंचायत का चुनाव जीतने के लिए उम्मीद्वारों द्वारा बड़े पैमाने पर राशि खर्च की जाती है, जो कि कई बार लाखों से अधिक होती है, जिसे मद्देनजर रखते हुए चुनाव विभाग की ओर से उम्मीद्वारों द्वारा खर्च की जानेवाली चुनावी राशि की निर्धारित घोषणा कर दी गई है। निर्धारित की गई राशि से ज्यादा खर्च करने पर ग्राम पंचायत के सदस्य की सदस्यता रद्द कर दी जाएगी। ग्राम पंचायत चुनाव के दौरान उम्मीद्वारों की ओर से खर्च की जानेवाली राशि का हिसाब रखने हेतु स्वतंत्र बैंक खाता खोलना अनिवार्य है। उसी प्रकार चुनाव के परिणाम के पश्चात ३० दिनों के भीतर खर्च की गई राशि का ब्योरा प्रस्तुत करना होगा। विशेष यह है कि चुनाव के दौरान सभी प्रक्रियों पर चुनाव विभाग की बारीकी से नजर रहेंगी तथा उम्मीद्वारों को मतदाताओं को खुश करने हेतु दी जानेवाली राशि सोच समझकर खर्च करना होगा।

### आवेदन भरने की हुई शुरुवात

ग्राम पंचायत चुनाव हेतु आवेदन भरने की शुरुवात २३ दिसंबर से की गई है, जो कि ३० दिसंबर तक चलेगी। जिसके चलते इच्छुक उम्मीद्वारों जरुरी दस्तावेजों को जुटाने का कार्य किया जा रहा है।

### इस प्रकार होंगा चुनावी कार्यक्रम

आवेदन प्रस्तुत करने की तारीख २३ से लेकर ३० दिसंबर को सुबह ११ बजे से ३ बजे तक उसी प्रकार ३१ को नामनिर्देशों के दस्तावेजों की जांच, अर्ज पिछे लेने की तारीख ४ जनवरी दोपहर ३ बजे तक तथा इसके पश्चात चुनाव चिन्ह का वाटप तथा १५ जनवरी को सुबह ७.३० बजे से ५.३० बजे तक ग्राम पंचायत के चुनावों हेतु मतदान किया जाएगा। उसी प्रकार मतगणन १८ जनवरी को की जाएगी। इस प्रकार चुनावी कार्यक्रम घोषित किया गया है। चुनावी परिणाम घोषित होने तक आचार संहिता लागू रहेंगी।

## सरपंच पद हेतु ७ वी पास होना अनिवार्य

**गोंदिया-** ग्राम पंचायत का सरपंच या सदस्य बनने के लिए इसके पूर्व शैक्षणिक पात्रता की आवश्यक्ता नहीं होती थी तथा अनपढ व्यक्ति भी गांव का सरपंच या सदस्य बन सकता था। लेकिन अब शासन ने नया परिपत्रक जारी कर कहा कि यदि गांव का सरपंच या सदस्य बनना हो तो ७ वी कक्षा पास होना जरुरी है। इस तरह का परिपत्रक २४ दिसंबर को जारी किया गया है। जिसके अनेक इच्छुक उम्मीद्वारों में नाराजगी देखी जा रही है। क्योंकि जिले में ग्राम पंचायत के चुनाव होने जा रहे है। जिसके नामांकन की शुरुवात २३ दिसंबर से शुरु हो चुकी है। ज्ञात हो कि ग्राम पंचायत के चुनाव या अन्य स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव हो। इस चुनाव मैदान में प्रत्याशी के तौर पर उतरने वालो को शिक्षा अनिवार्य नही थी। अनपढ़ व्यक्ति भी उम्मीद्वार बन सकता था। जिले में ऐसी अनेक ग्राम पंचायते है, जहां पर अल्प शिक्षित या अशिक्षित गांव का सरपंच या सदस्य है। ऐसे में विकासत काम करने प्रशासन को ही नही तो स्थानिय ग्राम पंचायतों को भी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब शासन के नए परिपत्रक से उम्मीदे जाग गई है। २४ दिसंबर के परिपत्रक में कहा गया है कि ग्राम पंचायत चुनाव में प्रत्याशियों को आवेदन करते समय प्रत्याशी २१ वर्ष से कम आयु का न हो। उम्मीद्वार का १ जनवारी १९९५ या उसके बाद जन्म हुआ हो। ऐसी उम्मीदवारों की शैक्षणिक पात्रता ७ वी पास होना आवश्यक है तथा ७ वी कक्षा पास होनेवाला व्यक्ति ही ग्राम पंचायत का सदस्य बन सकता है इस तरह का परिपत्रक जारी होने से अनेक अनपढ़ इच्छुक उम्मीद्वारों में नाराजगी देखी जा रही है। उल्लेखनिय है कि गोंदिया जिले में १८९ ग्राम पंचायतों के चुनाव होने जा रहे है। जिनके नामांकन की प्रक्रिया २३ दिसंबर से ३० दिसंबर तक रखी गई है।

## चुनावी खर्च का ब्योरा नहीं देनेवाले ६८५ उम्मीद्वार नहीं लड़ पाएगे चुनाव

**गोंदिया-** ग्राम पंचायतों का चुनाव लड़नेवाले उम्मीद्वारों को चुनाव खर्च का ब्योरा चुनाव अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना जरुरी है। लेकिन जिले के ऐसे ६८५ उम्मीद्वार है, जिन्होंने अब तक चुनाव खर्च का ब्योरा प्रस्तुत नहीं किया। जिसके चलते राज्य चुनाव आयोग ने इन उम्मीद्वारों को वर्ष २०२१ में आनेवाले संपूर्ण चुनाव लड़ने पर पाबंदी लगा दी है। ज्ञात हो कि गोंदिया जिले की १८९ ग्राम पंचायतों के चुनाव शुरु हो चुके है। जिसमे नामांकन प्रक्रिया ३० दिसंबर तक है। इन ग्राम पंचायतों में चुनाव लड़ने के लिए उम्मीद्वारों की भीड़ देखने को मिल रही है। लेकिन अधिकांश उम्मीद्वार ऐसे भी जो इसके पूर्व ग्राम पंचायत चुनाव लड़ चुके है। लेकिन चुनावी खर्च का ब्योरा प्रस्तुत नहीं करने से उपरोक्त उम्मीद्वार चुनाव नहीं लड़ पाएगे। इस संदर्भ में चुनाव आयोग की ओर से जानकारी दी गई है कि वर्ष २०१५ में जिले की ५४५ ग्राम पंचायतों का चुनाव संपन्न हुआ था। इस चुनाव में ४ हजार से अधिक उम्मीद्वार चुनावी मैदान में उतरे थे। नियमानुसार चुनाव होने के ३० दिनों के भीतर चुनावी खर्च का ब्योरा चुनाव अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना जरुरी होता है। लेकिन जिले के ६८५ उम्मीद्वारों नियमों का पालन नहीं करते हुए चुनावी ब्योरा प्रस्तुत नहीं किया। जिसके कारण चुनाव आयोग ने ऐसे उम्मीद्वार अगस्त २०२१ तक के किसी भी चुनाव में उम्मीद्वार के रुप में नहीं खड़े हो सकते।

### तहसीलवार अपात्र उम्मीद्वारों के आंकडे

जिले में ८ तहसील है। इन तहसीलों में वर्ष २०१५ में ग्राम पंचायत का चुनाव संपन्न हुआ था। गोंदिय तहसील के ६८ ग्राम उम्मीद्वारों ने चुनावी ब्योरा ही प्रस्तुत नहीं किया। इसी प्रकार गोरेगांव तहसील के १२२, सड़क अर्जुनी के १०७, तिरोड़ तहसील ८७, सालेकसा २५, देवरी १७३, आमगांव १०३ उम्मीद्वारों चुनावी खर्च प्रस्तुत नहीं किया है।

## हवाई मार्ग से किसानों का माल परिवहन करने बैठक का आयोजन

**गोंदिया-** सांसद सुनील मेंढे ने गोंदिया-भंडारा जिले के किसानों के लिए कार्गो हवाई सेवा के माध्यम से किसानों द्वारा उत्पादित किया गया माल परिवहन करने के लिए सकारात्मक कदम उठाए है। वहीं मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले किसानों के साथ मिलकर इस मुद्दे को को हल करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संदर्भ में सांसद सुनील मेंढे ने २५ दिसंबर को बालाघाट जिले जिलाधिकारी के साथ बैठक की जहां विस्तृत मार्गदर्शन के साथ ही किसानों से नए विचार सीखे। सांसद सुनील मेंढे ने गोंदिया हवाई अड्डे के माध्यम से कार्गो सेवा शुरु कर भंडारा गोंदिया जिले में उत्पादित कृषि वस्तुओं और अन्य उत्पादों के निर्यात की योजना तैयार करके इस संबंध में प्रयास शुरु किए हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों के साथ बैठक के पश्चात सांसद बैठकों के माध्यम से भंडारा-गोंदिया जिले के किसानों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान सांसद सुनील मेंढे ने स्वंय मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले का दौरा कर किसानों से बातचीत की ताकि गोंदिया जिले से सटे मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के किसान इस सेवा का लाभ उठा सकें।

बालाघाट में जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक में विभिन्न सब्जी फसलों और अन्य उत्पादों का उत्पादन करने वाले किसानों ने भाग लिया। बालाघाट के सांसद ढालसिंहजी बिसेन, पूर्व कृषि मंत्री और विधायक गौरीशंकर बिसेन ने किसानों को बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया। बैठक में राज्य कार्यकारिणी सदस्य मुस्तनाई बिसेन, जिलाधिकारी दीपक आर्य, विनय तामपाल, भालचंद्रजी ठाकुर सहित कई जनप्रतिनिधि और कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि कस्टर्ड सेब और मशरुम जैसी चीजों का बड़ा उत्पादन होता है। उन्होंने यह भी कहा कि २०१२ तक जिले में झींगा का उत्पादन हो रहा था और उम्मीद थी कि अगर कार्गो सेवा शुरु की गई तो किसान एक बार फिर झींगा उत्पादन की ओर रुख कर सकेंगे। किसानों ने बताया कि जिले में फुलों का उत्पादन भी बड़े पैमाने पर होता है।

सांसदों ने विश्वास व्यक्त किया कि विदेश में किसानों की उपज का विपणन करने के लिए कार्गो सेवा शुरु करने की दृष्टि से सेवा जल्द शुरु की जाएगी।

## किसानों के पुरस्कारो में की गई बढ़ोत्तरी

### अब ९९ पुरस्कारों के साथ किसान होंगे सम्मानित -कृषि मंत्री दादजी भुसे

**मुंबई-** किसानों को कृषि में प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कृषि विभाग द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कारों की संख्या ६३ के बजाय ९९ कर दी गई है। इस वर्ष नए कृषि किसान, युवा किसान तथा कृषि वैज्ञानिकों हेतु इस स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। उसी प्रकार कुछ पुरस्कारों के नियमों में बदलाव किया गया है। कृषि मंत्री दादाजी भुसे ने जानकारी देते बताया कि १९६७ से कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न पुरस्कार विभिन्न पुरस्कारों का आयोजन किया जा रहा है।

जिसमें पंजाबराव देशमुख कृषभरत्न पुरस्कार, जीजामाता कृषि भूषण पुरस्कार वसंतराव आदि पुरस्कारों का समावेश है। कृषि मंत्री दादाजी भूसे की अध्यक्षता में हुई बैठक में पुरस्कारों को बढ़ाने का निर्णय लिया गया। कृषि किसान, युवा किसान तथा कृषि वैज्ञानिकों के सम्मान हेतु उत्कृष्ट कृषि संशोधक पुरस्कार का समावेश किया गया है। इससे पहले कृषि विभाग द्वारा कुल ६३ पुरस्कार दिए जा रहे थे लेकिन अब उक्त प्रोत्साहन पुरस्कारों को बढ़ाकर ९९ कर दिया गया है।

जिसके अंतर्गत सभी विभाग व जिलों में किसानों का चयन किया जाता है। प्रोत्साहन के रुप में सम्मानित किए जानेवाले पुरस्कारों की संख्या कृषि मंत्री द्वारा ली गई बैठक में बढाई गई है।

## कुड़वा में क्रिकेट टूर्नामेंट का उदघाटन

**गोंदिया-** कुड़वा ग्राम में मारुति क्रिकेट क्लब कुड़वा द्वारा आयोजित ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट का उदघाटन बालकृष्ण पटले तहसील अध्यक्ष राष्ट्रवादी कांग्रेस के हस्त एवं शिवलाल नेवारे उपसरपंच टेमनी की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रुप से अखिलेश सेठ, रुपाली झोटे, संजय भास्कर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राहुल मेश्राम ने किया। आयोजक मंडल में अतुल मेश्राम, राहुल ठाकुर, गौरव पटले, शुभम गजभिए ,राहुल नेवारे आदि का समावेश है। उसी प्रकार अतिथियों के हस्ते विधिवत पूजन कर टुर्नामेंट का उद्घाटन किया गया।

## पथ विक्रेता दिवस मनाया

**गोंदिया-** नगर परिषद व बैंक ऑफ इंडिया की अग्रणी शाखा के संयुक्त तत्वावधान में दिनदयाल अत्योदय योजना राष्ट्रीय नागरी उपजिवका अभियान अंतर्गत केंद्र शासन द्वारा पुरस्कृत प्रधान मंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि के तहत पथ विक्रेता दिवस का आयोजन नप मुख्याधिकारी करण चव्हाण की अध्यक्षता में किया गया। जिला अग्रणी बैंक के व्यवस्थापक उदय खर्डेनवीश, नाबार्ड व्यवस्थापक नीरज जागरे, स्टार प्रशिक्षण केंद्र के व्यवस्थापक गणवीर एन.यु. एल.एम नप की व्यवस्थापिका सुनंदा बिसेन धनराज बनकर तथा पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बडोदा, स्टेट बैंक यूनियन बैंक आदि के व्यवस्थापक व कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान लाभार्थी को क्युआर कोड वितरित कर उसका उपयोग कैसे करे इसका प्रात्याक्षिक कर दिखाया गया। अब तक नप कार्यक्षेत्र अंतर्गत ७६० फेरीवालों ने विभिन्न बैंको में ऑनलाइन आवेदन किया। जिनमें से ४९६ आवेदन मंजूर कर २२६ फेरीवालों को अब तक १० हजार रुपए प्रति के हिसाब से कुल २२ लाख ६० हजार रुपए वितरित किए गए। योजना पूर्णत डिजिटल पद्धति से चलाई जाती है।

## सुंदरलाल यादव की स्मृति में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

**गोंदिया-** सुंदरलाल यादव की स्मृति में शुक्रवार को ग्राम ढाकणी मे आरोग्य शिबीर का उद्घाटन ग्राम ढाकणी के सरपंच नामदेव शहारे द्वारा किया गया। इस अवसर पर सेवा सहकारी सोसायटी के सदस्य व मुंडीपार के सरपंच नितिन टेंभरे, तंटामुक्ती अध्यक्ष खुशाल मस्करे, मोहनलाल गौतम प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

उसी प्रकार २६ दिसंबर को गोंदिया शहर के यादव चौक में स्वास्थ्य शिबीर व रक्तदान शिबीर का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन भंडारा विधानसभा क्षेत्र के नेता विधायक नरेंद्र भोंडेकर के हस्ते पूर्व विधायक हरिहर पटेल की अध्यक्षता तथा शहर के मानेजाने डॉक्टर दिपक बाहेकर, रोशन जी कानतोडे, शिवसेना जिला संगठक सुनील लांजेवार पूर्व पार्षद घनश्याम फंदी, बंटी बानेवार तथा उद्योगपति बिट्टु भाटिया की प्रमुख उपस्थित मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन पार्षद लोकेश (कल्लू) यादव ने किया तथा कार्यक्रम का संयोजन पार्षद पंकज एस यादव द्वारा किया गया। दोनो स्थानों में स्वास्थ्य शिबीर को सफल बनाने में सहयोग मल्टी हॉस्पीटल के डॉक्टर पीसे, मेश्राम , अग्रवाल सर, इंदोरिया तथा उनकी पूरी टीम ने रक्तदान शिबीर को सफल बनाने में शासकीय चिकित्सालय के ब्लड बैंक की पूरी टीम ने अथक अथक प्रयास किया। इस अवसर पर दोनो स्थानों के सैकड़ो लोगो ने शिबीर का लाभ लिया जिसमें उनके स्वास्थ्य की जांच करते हुए आयोजक मंडल की ओर से उन्हे नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया गया वहीं पच्चीस से अधिक युवक व युवतियों ने रक्तदान भी किया। मुंबई में शिक्षा ग्रहण कर रही परिसर कि बालिका कु.पल्लवी भालाधरे ने स्वेच्छापूर्वक प्रथम बार रक्तदान किया जिस हेतु आयोजक मंडल की ओर से बालिका का सत्कार किया गया।

इस अवसर पर पचास से अधिक युवकों ने शिवसेना पक्ष में प्रवेश किया जिनका विधायक नरेंद्र भोंडेकर के हस्ते भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया गया। दो दिवसीय उक्त कार्यम को सफल बनाने दुर्गा मंडल संस्था, श्री बाबूजी बजरंग व्यायाम शाला, गोंदिया जिला कुश्तीगीर संघ व सुंदरम बहुउद्देशीय संस्था के सभी पदाधिकारी व सदस्यों द्वारा अथक प्रयास किया गया।

## संत गाडगे बाबा की पुण्यतिथि मनाई

**गोंदिया-** स्वच्छता के संदेशवाहक संत गाडगे बाबा की ६४ वीं पुण्यतिथि जिन्होंने स्वच्छता का संदेश दिया ईश्वर पत्थर में नहीं, मनुष्य में है, अर्जुनी मोरगांव में मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन संत गाडगे बाबा उत्सव समिति और महाराष्ट्र परिवत सेवा मंडल द्वारा संयुक्त रुप से किया गया और अध्यक्षता भंडारा के अविरल बोरकर ने की थी। कार्यक्रम की शरुवात गाडगे बाबा की मूर्ति पूजा, दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण से हुई। संत गाडगे महाराज हॉल में आयोजित कार्यक्रम में समाज के ५ कार्यकर्ताओं को समाज भूषण पुरस्कार दिया गया। कोरोना काल के दौरान निस्वार्थ सेवा करने वाले ग्यारह कोरोना योद्धाओं को शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने समाज के विभिन्न मेधावी छात्रों को प्रतीक चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। नरेश केलजारकर, सनत वधई और रमेश मेश्राम द्वारा प्रारंभिक टिप्पणी की गई। पूर्व नगरसेवक देवेंद्र टेंभरे द्वारा महाप्रसाद का वितरण किया गया। धनराज पिल्लवान, दयाराम बरसागडे, मुकेश वाधई, अशोक भाग्यवंत, स्वाति वधाई, किशोर भाग्यवंत, ओमप्रकाश बोरकर और नायाराम काले ने कार्यक्रम की

# संक्षिप्त समाचार

### निषेधाज्ञा लागू

गोंदिया- २७ दिसंबर २०२० से १० जनवरी २०२१ की अवधि में जिले में विभिन्न संगठनों की ओर से उनकी लंबित मांगो के संदर्भ में अनशन, धरना, मोर्चा, रास्ता रोको, जेलभरो आंदोलन आयोजित किए जा रहे हैं। ११ दिसंबर से ग्राम पंचायत की आदर्श आचार संहिता लागू हो गई हो। ३१ दिसंबर को वर्ष का अंतिम दिन एवं १ जनवरी को नववर्ष के आगमन के अवसर पर मध्यरात्रि से सर्वत्र उत्साह का वातावरण रहता है। उसी प्रकार कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई स्थिती को ध्यान में रखते हुए तथा लोगो की बढ़ती भीड़ को देखते हुए कहीं भी किसी प्रकार की अनुचित घटना घटित न हो इसके मद्देनजर कानून व्यवस्था की स्थिती अवधि रखने की दृष्टि से गोंदिया जिले में २७ दिसंबर २०२० से १० जनवरी २०२१ तक मुंबई पुलिस अधिनियम की धारा ३७ (१) (३) के तहत निषेधाज्ञा लागू करने के आदेश अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी रिंसता बेलपत्रे ने जारी किया है। अधिसूचना की किसी भी शर्त का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ फौजदारी कार्यवाई करने की चेतावनी दी गई है।

### जिले में सर्पदंश से १३ लोगो की मृत्यु

जिले में पिछले ११ महिनों में किसान तथा नागरिकों को मिलाकर २६५ लोगो को सर्पदंश का शिकार होना पड़ा है। जिसके चलते १३ किसानों की मृत्यु हुई है। गौरतलब है कि जिले के अधिकांश लोग खेती पर आत्मनिर्भर है। बारिश का सीजन शुरु होते ही किसान खेती के कार्य में लग जाते है। वहीं खेती की देखरेख हेतु किसानों को रात्री के समय भी खेतों में जाना पड़ता है। इसी दौरान यदि अंधेरे में सांपो पर पड़ जाता है, तो उन्हें सर्पदंश का शिकार होना पड़ता है। जिले में पिछले ११ महिनों में २६५ लोगो को सर्पदंश का शिकार होना पड़ है, जिनमें से ११ लोगो की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई।

### कोठे से बकरियों की चोरी

रावणवाड़ी पुलिस थाने में फर्यादी अनिल नारायण पटले (४५) निवासी अर्जुनी ने अपने कोठे से बकरी चोरी किए जाने का मामला दर्ज करवाया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरो के खिलाफ धारा ३८० के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार फर्यादी २२ दिसंबर की रात ८ बजे के दौरान ४ बकरियों को कोठे में बांधकर रखा था। जिसकी कीमत ३० हजार बताई जा रही है। इसी दौरान किसी अज्ञात चोरो ने रात्री के दौरान सुनेपन का लाभ लेकर उसकी बकरी गोठे से लेकर फरार हो गए। मामले की आगे की जांच पुलिसकर्मी कोरे कर रहे है।

### युवक ने जहर गटक जान दी

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले कारंजा में श्रीराम गाते (३५) ने १७ दिसंबर के दौरान जहर का सेवन कर लिया। जिसका उपचार जिला चिकित्सालय में किया जा रहा था। जहां उपचार के दौरान उसकी २२ दिसंबर को मौत हो गई। इस संदर्भ में धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

### ट्रैक्टर की टक्कर से मौत

सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम कटंगटोला में किराना दुकान के सामने रोड़ किनारे खड़े युवक की ट्रक्टर की टक्कर से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मुन्नीलाल सदराम तुरकर ग्राम के ही एक किराना दुकान के सामने रोड़ किनारे खड़ा था। इसी दौरान आरोपी ट्रैक्टर वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। जिसकी वजह से उसे गंभीर चोट आई तथा उसकी मौत हो गई। फर्यादी प्रितमलाल भट्टूजी तुरकर (५५) निवासी कंटगटोला की शिकायत के आधार पर धारा २७९, ३०४ (अ) सहायक धारा १८४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

### घर में लगी भीषण आग

अर्जुनी मोरगांव तहसील अंतर्गत आनेवाले ग्राम जानवा निवासी सुदाम दशरथ ब्राम्हणकर अपने रिस्तेदारों के यहां गया था। इसी दौरान २२ दिसंबर की रात ८ बजे के दौरान अचानक उसके घर में आग लग गई। इस घटना में घर पर रखी सारी सामग्री जलकर खाक हो गई। जिससे उसका बड़े पैमाने में आर्थिक नुकसान हुआ है। वर्तमान स्थिती में इस परिवार की आर्थिक स्थिती वैसे भी ठीक नहीं ऐसे में हुई इस घटना से उसके परिवार पर सड़क में रहने की नौबद आन पड़ी है। पटवारी से घटना का पंचनामा तैयार कर हुए नुकसान की जानकारी शासन को दी गई है। उपरोक्त परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग ग्रामीणों की ओर से की गई है।


**आवश्यकता है**

**गोशाला में गो-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...**

**बुलंद गोंदिया कार्यालय**
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक


# करोड़ो का धान खुले में : अनेक वर्षो से गोदामों का अभाव

**गोंदिया-** आदिवासी विकास महामंडल अंतर्गत गोंदिया व भंडारा जिले में प्रतिवर्ष शासकीय धान खरीदी केंद्रो में लगभग ६ लाख क्विंटल तक धान खरीदा जाता है। लेकिन खरीदी गई धान के उचित रख-रखाव हेतु गोदाम उपलब्ध नहीं होने से करोड़ो रुपए का धान मात्र त्रिपाल के सहारे ढांककर खुले स्थान में रखा गया है। पिछले ८-१० सालो से इस तरह की समस्या सामने आ रही है। आदिवासी विकास महामंडल अंतर्गत गोंदिया व भंडारा जिले में ४३ शासकीय धान खरीदी केंद्रो को शुरु किया गया है। जिसके तहत गोंदिया जिले में १६ शासकीय धान खरीदी केंद्रो को शुरु किया गया है। उक्त केंद्रो पर अब तक ८० हजार क्विंटल धान खरीदी किया गया है। खरीदे गए धान की कीमत १५६ करोड़ रुपए बताई जा रही है। जिसमें से ८५ हजार करोड़ का रुपए किसानों को दिए गए है तथा आगे की बकाया राशि २ से ३ दिनों में वितरित किए जाने की जानकारी संबंधित विभाग की ओर से दी गई है। आदिवासी विकास महामंडल की ओर से खरीदी किए गए धान को रखने हेतु ९० हजार क्विंटल तक वाले गोदाम है। लेकिन इसके बावजूद विभाग की ओर से हर साल ६ क्विंटल तथा रबी फसल में ३ लाख क्विंटल धान खरीदी जाती है। लेकिन धान को रखने हेतु गोदामों के अभाव के चलते प्रतिवर्ष ३ से ४ लाख क्विंटल धान को खुले आसमान के नीचे केवल त्रिपाल के माध्यम से ढांक कर रखा जाता है। जिसके चलते हर साल २-३ हजार क्विंटल धान सड़कर बर्बाद हो जाता है। जिसके चलते महामंडल का लाखों रुपए का नुकसान झेलना पड़ता है।

**धान खरीदी केंद्रो में चोरी**

आदिवासी विकास महामंडल की ओर से खरीदी किए गए धान को रखने के लिए गोदामों की व्यवस्था नहीं है। खुले परिसर में ही धान को त्रिपाल से बांधकर झांक दिया जाता है। वहीं इसकी देखरेख हेतु किसी भी व्यक्ति को नियुक्त नहीं किया गया है। उसी प्रकार सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था भी नहीं है। जिसके चलते उपरोक्त धान खरीदी केंद्रो में धान चोरी किए जाने के मामले सामने आ रहे है। लेकिन इसके बावजूद आदिवासी विकास महामंडल की ओर से इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

**प्रस्ताव भेजने के बाद भी शासन की अनदेखी**

आदिवासी विकास महामंडल की ओर से पिछले ५-७ सालो से धान गोदाम तैयार करने के कई बार प्रस्ताव शासन तथा नाशिम स्थित महामंडल के कार्यालय में भेजा गया लेकिन इसके बावजूद भी इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

# ४ हजार ३३३ किसानों को मिलेंगा फसल बीमा का लाभ

**गोंदिया-** पिछले अनेक वर्षों में फसल बिमा योजना जिले के अधिकांश किसानों के लिए छलावा साबित हुआ है। क्योंकि हजारों किसानों की फसले बर्बाद होने के बावजूद नाममात्र किसानों को ही इस योजना का लाभ दिया जाता है। इसलिए पिछले कुछ वर्षों में फसल का बीमा करनेवाले किसानों की संख्या घटती जा रही है। खरीफ मौसम २०२० में ५६ हजार ६४० किसानों ने लगभग २८ हजार ९१५ हेक्टेयर का बीमा कराया था। बाढ़, अतिवृष्टि, बेमौसम बारिश तथा बिमारियों के प्रकोप के चलते इस वर्ष उत्पादन में काफी कमी आई है। बावजूद इसके मात्र ४ हजार ३३३ किसान ही फसल बीमा के लिए पात्र घोषित हुए है। जिन्हें नुकसान भरपाई के रुप में ६२.३३ लाख रुपए मिलेंगे। गौरतलब है कि गोंदिया जिले में इस वर्ष के खरीफ मौसम की धान उत्पादकता लगभग ५० से ६० प्रतिशत से भी कम है। बावजूद इसके किसानों को नुकसान भरपाई से वंचित रहना पड़ रहा है। इस वर्ष १ लाख ९१ हजार हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ में धान का उत्पादन लिया गया है। जिसमें अधिकांश फसले बिमारियों व मौसम की मार से बर्बाद हुई है। जिससे जिले की उत्पादकता में भारी गिरावट आई है। लेकिन अब तक सिर्फ ४ हजार ३३३ किसान ही फसल बिमा योजना के तहत नुकसान भरपाई के लिए पात्र घोषित किए गए है। नदी में आई बाढ़ के चलते गोंदिया व तिरोड़ा तहसील के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र के किसानों का पात्र सूची में समावेश है। सूची अनुसार गोंदिया तहसील के कामठा क्षेत्र के १३६० किसानों को १५.८६ लाख रुपए एवं रतनारा क्षेत्र के ६९९ किसानों को ९.९५ लाख रुपए फसल बीमा के रुप में मंजूर हुए है। उसी प्रकार तिरोड़ा तहसील के गुंडीकोटा क्षेत्र के १३२३ किसानों को २२.७६ लाख रुपए तथा परसवाडा क्षेत्र के ९५१ किसानों को १३.७५ लाख रुपए इस प्रकार कुल ४ हजार ३३३ किसानों को ६२.३३ लाख रुपए मंजूर होने की जानकारी प्राप्त हुई है। गौरतलब है कि गोंदिया एवं तिरोडा ही नहीं बल्कि जिले के हर तहसीलों के सैकडों हेक्टेयर की धान फसले बर्बाद हुई लेकिन अब तक उन किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ नहीं मिला है। पिछले कुछ वर्षों से अधिकांश किसानों के लिए यह योजना सिर्फ छलावा साबित होने के कारण फसल बीमा करने में किसानों द्वारा रुचि नही दिखाई जाती। जो किसान फसल कर्ज लेते है। वहीं किसान फसल बीमा करते है।

**आनेवारी घोषित होने के बाद बढ़ सकते है लाभार्थी**

जिले की अंतिम आनेवारी ३१ दिसंबर के बाद घोषित होगी। फसल बिमा योजना की शर्तों के अनुसार यदि उत्पादकता कम रही तो किसानों को योजना का लाभ मिल सकता है। इस वर्ष निश्चित रुप से धान उत्पादन कम है। आनेवारी घोषित होने के बाद फसल बिमा योजना के लाभार्थियों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

**-गणेश घोरपडे**, जिला कृषि अधिक्षक, गोंदिया

## राजोली ग्राम पंचायत को करें स्वतंत्र

# अन्यथा करेंगे चुनाव का बहिष्कार

**संवाददाता अर्जुनी मोरगांव-** ग्राम पंचायत भरनोली के अंतर्गत ११ गांवों के नागरिकों ने अर्जुनि-मोरगांव पंचायत समिति के तहत समूह ग्राम पंचायत भरनोली को विभाजित करके एक स्वतंत्र ग्राम पंचायत राजोली बनने तक ग्राम पंचायत और अन्य चुनावों का बहिष्कार करने का निर्णय ग्रामीणों की ओर से लिया गया है। समूह ग्राम पंचायत भरनोली अर्जुनी मोरगांव तहसील में मौजूद है। ग्राम पंचायत में भरनोली, राजोली, खड़की, खड़की नंबर २, सायगांव, तुकुम, नविनटोला, शिवरामटोला, बालिटोला, तिरखुरी और बर्तोला सहित ग्यारह गांव शामिल हैं। कई दिनों से मांग है कि समूह ग्राम पंचायत भरोली को विभाजित करके राजोली गांव में एक स्वतंत्र ग्राम पंचायत बन जाए। ग्राम पंचायतों को विभाजित करके स्वतंत्र ग्राम पंचायत राजोली स्थापित करने का प्रस्ताव १० दिसंबर २०१९ को ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद, नागपुर आयुक्त कार्यालय से ग्रामीण विकास मंत्रालय को भेजा गया है। पहले भी कई बार बयान और प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं लेकिन किसी ने भी ११ गांवों द्वारा की गई मांग पर ध्यान नहीं दिया। प्रस्ताव को मंजूरी देकर, जब तक कि एक नई स्वतंत्र ग्राम पंचायत राजोली के प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी जाती है, तब तक भारनोली समूह ग्राम पंचायत में सभी नागरिकों द्वारा वोट नहीं दिया जाएगा। इस संदर्भ में अभिभावक मंत्री गोंदिया, विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, ग्रामीण विकास मंत्रालय मुंबई के प्रमुख सचिव, चुनाव आयुक्त ग्राम पंचायत प्रभाग नागपुर, कलेक्टर गोंदिया, उप-विभागीय अधिकारी अर्जुनी मोरगांव, तहसीलदार अर्जुनी मोरगांव तथा थानेदार केशोरी को दी गई है।

## बॉलीबॉल स्पर्धा का आयोजन

**संवाददाता अर्जुनी मोरगांव-** पिछले ३० वर्षों से सुरमी स्पोर्टिंग असोसिएशन द्वारा कई प्रकार के खेलों का आयोजन करवाया जाता है। जिसके तहत स्थानिय जिला परिषद के मैदान में बॉलीबॉल स्पर्धा का आयोजन किया गया है। कोरोना महामारी के प्रकोप को देखते हुए दिए गए दिशानिर्देशों का पालन किया जाएगा। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर अध्यक्ष दिवाकर चुटे, अश्विन सिंह गौतम, ए.डी. कांबले, दीपक बर्डे, दानेश साखरे, जगदीश मेश्राम, मुबारक अली सैयद, अनिल मड़ावी मौजूद थे। कासमीत शाहारे, स्वस्तिक मेश्राम, विवेक शरण, गौरव वालदे, अमित शाहारे, योगेश लाडे, सौरभ बाहेकर, आरजू सूर्यवंशी, अमीषा चौधरी, अलीशा तवे ने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए अथक प्रयास किया।

# लोकल ट्रेन बंद होने से यात्रियों को आर्थिक नुकसान

## ट्रेन शुरु होने का यात्री कर रहे इंतजार

**गोंदिया-** मार्च महिने के दौरान कोरोना महामारी का संक्रमण फैलने से पुरे देश में लॉकडाऊन किया गया। जिसके चलते २५ मार्च से सभी यात्री ट्रेनों को बंद कर दिया गया तथा ९ महिनों के बाद फिर से रेल सेवा शुरु तो की गई, लेकिन अभी तक कई यात्री ट्रेन अपने रुट पर नहीं दौड़ पा रही है। कुछ एक्सप्रेसों व सुपरफॉस्ट ट्रनों को शुरु तो किया गया, लेकिन लोकल ट्रेने शुरु नहीं होने से यात्रियों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। गोंदिया रेलवे स्टेशन से गोंदिया-बल्लारशा, गोंदिया-बालाघाट, इतवारी-गोंदिया, गोंदिया-कटंगी, गोंदिया-झारसुगड़ा, गोंदिया-रायपुर, गोंदिया बिलासपुर आदि लोकल ट्रेनों को चलाया जाता है। लेकिन लॉकडाऊन शुरु होते ही उक्त लोकल ट्रेनों को बंद कर दिया गया है। जिसके कारण कई नागरिकों का रोजगार ठप हो गया है। वहीं यात्रियों के लिए शुरु की गई विशेष ट्रेनों में सफर करने पर १५० से २०० रुपए के आर्थिक नुकसान का सामना रेल यात्रियों को करना पड़ता है। रेल यात्रियों द्वारा लोकल ट्रेने शुरु किए जाने का इंतजार किया जा रहा है।

### गरीब यात्रियों को हो रही परेशानी

गोंदिया से बालाघाट, गोंदिया से बल्लारशा जाने हेतु लोकल ट्रेनों में ३० से ५० रुपए यात्रियों को देना पड़ता है। लेकिन उक्त ट्रेने बंद होने से यही सफर यात्रियों को करने के लिए ४०० से ५०० रुपए अतिरिक्त देना पड़ रहा है। जिसका सबसे अधिक असर गरीब यात्रियों को हो रहा है।

### ये विशेष ट्रेने शुरु

वर्तमान स्थिती में हावडा-अहमदाबाद, छत्तीसगढ़-अमृतसर, हावडा-मुंबई, पुणे हावडा आजाद हिंद एक्सप्रेस, मुंबई-गोंदिया विदर्भ एक्सप्रेस, गोंदिया-कोल्हापुर महाराष्ट्र एक्सप्रेस, दरभंगा एक्सप्रेस, सिकंदरबाद-दरभंगा, पुरी गांधी ग्राम, भुवनेश्वर अहमदाबाद आदि विशेष ट्रेने शुरु है।

### गोंदिया-बल्लारशा लोकल ट्रेन बंद

पिछले ८- नौ महिनों से गोंदिया बल्लारशा लोकल ट्रेन बंद है। परिणामस्वरुप इस मार्ग से यात्रा करनेवाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उसी प्रकार बस से यात्रा करने पर यात्रियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

कोरोना महामारी का संक्रमण धीरे-धीरे नियंत्रण में आ रहा है। स्थिति सामान्य होते ही लोकल ट्रेनों को शुरु किया जाएगा।

**-जयेश गणवीर**, प्रवासी संघटना


**क्या आप परेशान हैं?**

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...

**डॉ.सुशील गेडाम**
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
हर रविवार सुबह 11 से 4 बजे
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, पाल चौक, गोंदिया
संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

संतोष जाधव
97633 55727
95959 90200
साँई ट्रेव्हल्स
जेस्ट, इनोवा, टवेरा, झायलो
डिजायर, विस्टा एव सभी प्रकार की
लक्झरी गाड़ियां किराये पर उपलब्ध
मामा चौक, सिविल लाईंस, गोंदिया


स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।